गीडा धुरियापार में कर सकता है जमीन का आवंटन, 6000 लोगों को मिलेगा रोजगार

वीडियोकॉन करेगी 1100 करोड़ का निवेश, मांगी 50 एकड़ जमीन

उद्योग

- एलईडी टीवी, रेफ्रिजरेटर से लेकर मोबाइल फोन के निर्माण का प्रस्ताव
- प्रति वर्ष छह लाख फ्रिज बनाने का लक्ष्य तय किया है कंपनी ने

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। देश की प्रतिष्ठित कंज्यूमर प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी वीडियोकॉन गोरखपुर के धुरियापार में 1100 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। कंपनी की तरफ से गीडा से 50 एकड़ जमीन की मांग की गई है। वीडियोकान के नए प्लांट में एलईडी टीवी, रेफ्रिजरेटर से लेकर मोबाइल फोन का निर्माण किया जाएगा।

धुरियापार में औद्योगिक कॉरिडोर में अदाणी सीमेंट, कैंपा कोला से लेकर केयान ग्रुप का प्लांट प्रस्तावित है। अब इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वीडियोकॉन अपना विशाल प्लांट स्थापित करने की तैयारी में है। इससे गोरखपुर न केवल पूर्वांचल बल्कि उत्तर भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभरेगा। कंपनी ने यहां प्रति वर्ष छह लाख फ्रिज बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। दावा है कि कंपनी इस क्षेत्र में एक 'इलेक्ट्रॉनिक क्लस्टर' भी विकसित करेगी। जिससे सहायक इकाइयों को भी बूस्टर डोज मिलेगा।

वीडियोकॉन कंपनी के तरफ से 1100 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को लेकर 50 एकड़ जमीन की मांग की गई है। कंपनी के प्रतिनिधियों ने निवेश के साथ-साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 6000 लोगों को रोजगार देने का प्रस्ताव दिया है। कंपनी को धुरियापार में जमीन दी जा सकती है।

-अनुज मलिक, सीईओ, गीडा

तकनीकी छात्रों संग अकुशल कारीगरों को भी मिलेगा लाभ

50 एकड़ में प्रस्तावित वीडियोकान के प्लांट में बड़ी संख्या में युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। प्रस्ताव के मुताबिक, प्लांट स्थापित होने से प्रत्यक्ष तौर पर 3000 लोगों को रोजगार मिलेगा, जबकि अप्रत्यक्ष तौर पर भी 3000 को रोजगार से जोड़ा जाएगा। इसके तकनीकी छात्रों के साथ अकुशल कारीगरों को भी काम मिलेगा।

कंपनी को इस विशाल प्लांट के लिए गीडा की ओर से धुरियापार में 50 एकड़ भूमि आवंटित की जा सकती है। गीडा प्रशासन और कंपनी के प्रतिनिधियों के बीच निवेश के रोडमैप को लेकर विस्तृत चर्चा हो चुकी है।

धुरियापार बनेगा नया इंडस्ट्रियल हब : धुरियापार बड़ी कंपनियों को औद्योगिक विकास का ठिकाना बनता दिख रहा है। अदाणी, केयान ग्रुप के साथ अंबानी ग्रुप पहले ही निवेश को लेकर कवायद शुरू कर चुके हैं। अब वीडियोकॉन जैसी बड़ी कंपनी के आने से यहाँ इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास होगा और अन्य निवेशक भी आकर्षित होंगे। लघु उद्योग भारती के प्रांतीय अध्यक्ष दीपक कारीवाल का कहना है कि उद्योगों के लिए बनाई गई अनुकूल नीतियों और कानून व्यवस्था में सुधार का ही परिणाम है कि बड़ी कंपनियां अब यहां निवेश के लिए आगे आ रही हैं।